।। श्री गणेशाय नमः।।

हिन्दी पाक्षिक Fortnightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan ki

RNI No.: WBHIN/2021/84049

विक्रम संवत 2083, भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष पंचमी, 16-30 सितंबर 2026 (16-30 September 2026), वर्ष-6 (YEAR-6), अंक - 10, पृष्ठ - 4, मूल्य - ₹2, (PRICE- 2/-)

ब्रिक्स में भारत की धाक, आतंकवाद पर दुनिया को दिया दो टूक संदेश

अजय कुमार झा: दुनिया के बदलते शक्ति-संतुलन के बीच नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका को एक बार फिर रेखांकित किया। 12 और 13 सितंबर को हुए सम्मेलन में 11 सदस्य देशों के नेताओं ने हिस्सा लिया। भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन का फोकस केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आतंकवाद, वैश्विक शासन व्यवस्था, तकनीक, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और विकासशील देशों की भूमिका जैसे मुद्दे भी केंद्र में रहे।

भारत के लिए सम्मेलन की सबसे अहम उपलब्धियों में नई दिल्ली घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की स्पष्ट निंदा शामिल रही। घोषणापत्र में 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए इसकी कड़े शब्दों में निंदा की गई। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी। भारत लंबे समय से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर एकजुट कार्रवाई की मांग करता रहा है और ब्रिक्स मंच पर भी उसने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स को किसी देश के खिलाफ गठबंधन के बजाय सहयोग और समाधान का मंच बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया में बढ़ते संघर्षों और तनाव का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स का एजेंडा रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी यानी लचीलापन, नवाचार, सहयोग और टिकाऊ विकास पर केंद्रित रहा।

भारत ने दिखाई संतुलित कूटनीति

इस बार ब्रिक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती सदस्य देशों के बीच मौजूद मतभेदों के बावजूद साझा सहमति बनाने की थी। पश्चिम एशिया के संघर्ष और ईरान-यूएई जैसे देशों के अलग-अलग हितों के बीच नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनना भारत की अध्यक्षता के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। घोषणापत्र में किसी एक देश को सीधे निशाना बनाने से बचते हुए संघर्षों को बातचीत और कूटनीति के जरिए सुलझाने पर जोर दिया गया।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि ब्रिक्स का उद्देश्य पश्चिम-विरोधी मंच बनना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ को केवल नियमों का पालन करने वाला समूह बनने के बजाय वैश्विक नियमों को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत बताई। इससे भारत की उस विदेश नीति की झलक मिली जिसमें अमेरिका, रूस, चीन और अन्य प्रमुख शक्तियों के साथ संबंधों के बीच रणनीतिक संतुलन बनाए रखते हुए विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने पर जोर है।

अर्थव्यवस्था से लेकर तकनीक तक सहयोग

ब्रिक्स देशों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। भारत की अध्यक्षता में BRICS Economic Partnership 2030 को आगे बढ़ाने की दिशा में भी काम हुआ। छोटे कारोबारों के लिए वित्तीय पहुंच बढ़ाने और वैश्विक बाजारों में MSME की भागीदारी मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। नई दिल्ली घोषणापत्र में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जलवायु परिवर्तन तथा वैश्विक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की बात भी सामने आई। प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए घोषणाओं को जमीन पर उतारने और उन्हें ठोस परिणामों में बदलने पर जोर दिया।

भारत के लिए कूटनीतिक बढ़त

सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की कई अहम द्विपक्षीय मुलाकातों ने भी भारत की कूटनीतिक सक्रियता को बढ़ाया। खास तौर पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा सात साल बाद हुई, जिसने भारत-चीन संबंधों में जारी संवाद को नया महत्व दिया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत अन्य नेताओं के साथ भारत की बातचीत ने नई दिल्ली की बहुस्तरीय कूटनीति को भी सामने रखा।

भारत ने 2026 की अपनी अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स को केवल बयान जारी करने वाले मंच के बजाय व्यावहारिक सहयोग और वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बनाने की कोशिश की। अब असली परीक्षा इन फैसलों को अमल में लाने की होगी। 2027 में ब्रिक्स की अध्यक्षता चीन को मिलेगी, लेकिन 2026 का नई दिल्ली सम्मेलन भारत के लिए इस मायने में अहम रहा कि उसने बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच संवाद, संतुलन और ग्लोबल साउथ की आवाज को केंद्र में रखने की कोशिश की।

गणेश पूजा में 'हिंदू राष्ट्र' थीम को लेकर विवाद

मोदी और गणेश की 'चाय पे चर्चा'

हावड़ा: बेलूर बाजार के शिवचंद्र चटर्जी स्ट्रीट में आयोजित एक गणेश पूजा को लेकर तीखा विवाद खड़ा हो गया है। इस वर्ष पूजा की थीम 'हिंदू राष्ट्र' रखी गई है। थीम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिद्धिदाता गणेश को एक साथ बैठे हुए दिखाया गया है। दोनों के हाथों में चाय का कप है, जिसे 'चाय पे चर्चा' की थीम के तौर पर प्रस्तुत किया गया है।

थीम के पीछे की दीवार पर 'हिंदू राष्ट्र' लिखा गया है। वहीं, एक तरफ भारत का नक्शा और उसके पास हिंदू ध्वज भी रखा गया है। गणेश पूजा की यह थीम सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है और इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पूजा के आयोजक और पेशे से प्रमोटर खोकन कांसा ने कहा कि वह लंबे समय से इस पूजा का आयोजन करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह उनकी व्यक्तिगत पूजा है और हर वर्ष वह पूजा में अलग-अलग थीम प्रस्तुत करते हैं। इस बार की थीम भी उनके ही दिमाग की उपज है और लोगों से इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। मेरी मनसा किसी भी धर्म को आघात करने की नहीं है और जो बोल रहे हैं कि नया बीजेपी होने के कारण ऐसा कर रहे हैं यह सरासर गलत है। मैंने अपने हिसाब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्र और भगवान गणेश को धर्म का प्रतीक मानते हुए इस थीम को तैयार किया है।

वह इस विषय पर नव तृणमूल के अध्यक्ष और और मध्य हावड़ा के विधायक अरूप राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ लोग नए बीजेपी हुए हैं वह इस तरह का तेल लगाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए मुझे पता नहीं कि यह बात बीजेपी या प्रधानमंत्री को पता है कि नहीं जिन्होंने ऐसा किया है उनके खिलाफ जिला और राज्य भाजपा को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

वहीं इस विषय पर हावड़ा जिला भाजपा के सचिव ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि मुझे नहीं पता कि किन लोगों ने इस तरह का आयोजन किया है लेकिन इसमें मुझे कोई गलत भी नहीं दिख रहा है पश्चिम बंगाल में कई तरह की पूजा आयोजन की जाती है दुर्गा पूजा के समय में कई तरह के थीम देखने को मिलते हैं मुझे इसमें कोई गलत नहीं दिख रहा है लेकिन जो तृणमूल के वर्तमान अध्यक्ष आप राय जी कह रहे हैं इससे मैं सहमत नहीं हूं उनके जमाने में तो पूजा करने के लिए कोर्ट जाना पड़ता था वहीं उन्होंने बताया कि इस विषय में जिला भाजपा की ओर से विचार किया जाएगा अगर जरूरत समझ में आएगी तो कार्रवाई होगी।

हावड़ा में गणेश पूजा की धूम

मिनी मुंबई सा दिखा शहर

हावड़ा: गणेश चतुर्थी के अवसर पर इस बार हावड़ा शहर में गणपति बप्पा की भक्ति का रंग देखते ही बन रहा है। शहर के उत्तर हावड़ा, मध्य हावड़ा, दक्षिण हावड़ा से लेकर ग्रामीण हावड़ा तक जगह-जगह भव्य पूजा मंडप तैयार कर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। पूरे शहर का माहौल मानो मिनी मुंबई जैसा नजर आ रहा है।

उत्तर हावड़ा के सालकिया स्थित उड़ियापाड़ा में पिछले 27 वर्षों से गणेश पूजा का आयोजन होता आ रहा है। इस वर्ष भी यहां भव्य मंडप तैयार कर विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा में शामिल होने पहुंचे।

वहीं, नमक गोलाघाट इलाके में आदर्श एजुकेशन कल्चर एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी तथा नमक गोलाघाट मॉर्निंग वॉकर समूह की ओर से गणेश मंदिर में भव्य पूजा का आयोजन किया गया। पूजा के साथ देर शाम भक्ति गीत-संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी।

पंजाब लाइन इलाके में भी कई पूजा मंडपों में भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई। इसी तरह मध्य हावड़ा के काजीपाड़ा, कुंडलबागान, कदमतला तथा पावर हाउस के आसपास गणपति पूजा को लेकर विशेष आयोजन किए गए हैं।

दक्षिण हावड़ा के बेताईतला बाजार, बी. कॉलेज गेट के आसपास और शालीमार स्टेशन के नजदीक भी कई स्थानों पर आकर्षक मंडप बनाकर गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित की गई है। इन पूजा मंडपों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिल रही है।

आयोजकों के अनुसार, हावड़ा में गणेश पूजा का आयोजन हर वर्ष होता है, लेकिन इस बार पूजा को बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया है। कई स्थानों पर विशाल और आकर्षक मंडप बनाए गए हैं। पूजा के साथ सांस्कृतिक, भक्ति और मनोरंजन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है, जो अगले तीन से चार दिनों तक चलेंगे। गणपति बप्पा की भक्ति में डूबा हावड़ा इस बार श्रद्धालुओं और आम लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

'कोलकाता के खाटूधाम' की अनोखी कहानी

2008 से शुरू हुआ सफर 2020 में हुई प्राण-प्रतिष्ठा

पुष्पा साव, कोलकाता के उत्तर हिस्से में आलमबाजार का श्री श्याम मंदिर आज केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि हजारों भक्तों की आस्था, विश्वास और सेवा भावना का केंद्र बन चुका है। बाबा श्याम के दर्शन के लिए यहां हर दिन श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। भव्य स्थापत्य, धार्मिक अनुष्ठान और सामाजिक सेवा गतिविधियों के कारण भक्तों के बीच यह मंदिर 'कोलकाता का खाटूधाम' के नाम से विशेष पहचान रखता है।

इस मंदिर की भव्यता को देखकर शायद ही कोई अंदाजा लगा पाए कि इसके निर्माण की कहानी एक लंबी यात्रा और कई चुनौतियों से होकर गुजरी है। भूमि उपलब्ध होने से लेकर मंदिर निर्माण और फिर बाबा श्याम की प्राण-प्रतिष्ठा तक कई वर्षों का समय लगा। इस पूरे सफर में श्रद्धा और संकल्प सबसे बड़ी ताकत बनी।

2008 में रखी गई मंदिर निर्माण की नींव

श्री श्याम मंदिर के निर्माण की दिशा में वर्ष 2008 में महत्वपूर्ण शुरुआत हुई। इसी दौरान मंदिर के लिए भूमि उपलब्ध हुई और संस्था की देखरेख में आई। हालांकि भूमि से संबंधित कई जटिलताएं और विवाद सामने आए, लेकिन बाबा श्याम के भव्य धाम के निर्माण का संकल्प कमजोर नहीं पड़ा।

लगभग 18 महीने तक चली प्रक्रिया के बाद मंदिर निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता तैयार हुआ। भक्तों और संस्था से जुड़े लोगों के लिए यह सिर्फ एक इमारत का निर्माण नहीं, बल्कि बाबा श्याम के भव्य धाम के सपने को साकार करने की शुरुआत थी।

16 मई 2010: भूमि पूजन से शुरू हुआ नया अध्याय

भूमि संबंधी प्रक्रिया पूरी होने के बाद 16 मई 2010 को मंदिर के लिए भव्य भूमि पूजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में संतों, आध्यात्मिक विभूतियों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

भूमि पूजन के साथ ही मंदिर निर्माण के सपने ने औपचारिक रूप से आकार लेना शुरू किया। श्रद्धालुओं के लिए यह दिन मंदिर के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बन गया।

2013 में शुरू हुआ भव्य निर्माण

वर्ष 2013 में मंदिर के वास्तविक निर्माण कार्य की शुरुआत हुई। मंदिर को भव्य और आकर्षक स्वरूप देने के लिए राजस्थान से कुशल कारीगर बुलाए गए। पारंपरिक राजस्थानी स्थापत्य कला, बारीक नक्काशी और उत्कृष्ट शिल्पकारी ने मंदिर को अलग पहचान दी।

मंदिर निर्माण में मकराना संगमरमर का इस्तेमाल किया गया है। वहीं, गर्भगृह में चांदी की बारीक नक्काशी इसकी सुंदरता को और बढ़ाती है। मंदिर की वास्तुकला में पारंपरिक शैली और धार्मिक सौंदर्य का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है।

30 जनवरी से 2 फरवरी 2020: प्राण-प्रतिष्ठा

मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद वर्ष 2020 में वह ऐतिहासिक अवसर आया, जिसका भक्तों को लंबे समय से इंतजार था। 30 जनवरी से 2 फरवरी 2020 तक मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, भजन और विभिन्न भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी दौरान मंदिर के प्रथम तल पर स्थित भव्य गर्भगृह में बाबा श्याम के दिव्य विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

सुबह की मंगल आरती से रात की शयन आरती तक भक्ति

श्री श्याम मंदिर में दिन की शुरुआत ही भक्तिमय वातावरण के साथ होती है। मंदिर सुबह 6 बजे श्रद्धालुओं के लिए खुलता है। सुबह 6:15 बजे मंगल आरती होती है। इसके बाद 9 बजे श्रृंगार आरती और 11:45 बजे भोग आरती आयोजित की जाती है।

दोपहर 1 बजे मंदिर में विश्राम होता है और शाम 4 बजे फिर श्रद्धालुओं के लिए पट खोले जाते हैं। शाम 5:30 बजे से श्याम कीर्तन और भजन का आयोजन होता है। इसके बाद 6:15 बजे संध्या आरती और रात 8:45 बजे शयन आरती होती है। रात 10 बजे मंदिर के पट बंद हो जाते हैं।

मंदिर में धर्म के साथ सेवा का संदेश

श्री श्याम मंदिर की पहचान केवल पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है। मंदिर से सामाजिक सेवा की गतिविधियां भी जुड़ी हुई हैं। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, बैठने और दर्शन की सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है।

इसके अलावा समय-समय पर भंडारा, रक्तदान शिविर, कंबल वितरण, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और जरूरतमंद लोगों की सहायता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस तरह मंदिर आस्था के साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी देता है।

कई वर्षों की आस्था

आलमबाजार का श्री श्याम मंदिर आज जिस भव्य स्वरूप में दिखाई देता है, उसके पीछे वर्षों की मेहनत, श्रद्धा और संकल्प की कहानी है। 2008 में भूमि उपलब्ध होने से शुरू हुआ सफर, 2010 में भूमि पूजन, 2013 में निर्माण की शुरुआत और 2020 में बाबा श्याम की प्राण-प्रतिष्ठा तक पहुंचा। आज यह मंदिर हजारों श्रद्धालुओं के लिए केवल दर्शन का स्थान नहीं, बल्कि मन की शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने का केंद्र है। यहां आने वाला भक्त पूजा के साथ सेवा का संदेश भी लेकर लौटता है।

यही कारण है कि आलमबाजार का श्री श्याम मंदिर धीरे-धीरे कोलकाता के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अपनी अलग पहचान बनाने के साथ 'भक्ति और सेवा के संगम' के रूप में स्थापित हुआ है।

संक्षिप्त डायरी

चोरी की स्कॉर्पियो शराब के साथ मिली, फिर हुई नीलामी; मामले में नवादा डीटीओ का लिपिक गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) चोरी की स्कॉर्पियो को शराब के साथ बरामद कर नीलामी करने के मामले में आर्थिक अपराध इकाई (इओयू) ने कार्रवाई तेज कर दी है. नवादा जिला परिवहन कार्यालय के लिपिक कन्हैया लाल को गिरफ्तार किया गया है. मामला 2019 में चोरी हुई गाड़ी से जुड़ा है. चोरी की स्कॉर्पियो को शराब के साथ बरामद करने और बाद में उसकी नीलामी किये जाने के मामले में आर्थिक अपराध इकाई ने कार्रवाई तेज कर दी है. आर्थिक अपराध इकाई (इओयू) में दर्ज प्राथमिकी संख्या 42/25 के मामले में जारी वारंट के आधार पर नवादा जिला परिवहन कार्यालय के लिपिक कन्हैया लाल को गिरफ्तार किया गया है. नगर थाना पुलिस के सहयोग से परिवहन कार्यालय से हुई गिरफ्तारी के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है. गिरफ्तार लिपिक कन्हैया लाल, पिता रमाकांत तिवारी, पटना के बेऊर के रहने वाले हैं. गोपालगंज में शराब के साथ बरामद हुई थी स्कॉर्पियो जानकारी के अनुसार, रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र से 24 दिसंबर 2019 को एक स्कॉर्पियो चोरी हुई थी. 19 जून 2020 को गोपालगंज के सिधवलिया थाना क्षेत्र में वही वाहन शराब के साथ पकड़ा गया. बताया गया कि वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर बदला हुआ था, जबकि इंजन और चेचिस नंबर मूल थे. पुलिस ने जब्त वाहन की रिपोर्ट उत्पाद विभाग को भेजी थी. इसके बाद उत्पाद विभाग की ओर से 27 दिसंबर 2021 को उक्त वाहन की नीलामी कर दी गयी. वाहन मालिक ने बिना सूचना नीलामी का लगाया आरोप रोहतास निवासी वाहन मालिक को बाद में जानकारी मिली कि चोरी हुई उनकी स्कॉर्पियो बरामद हो चुकी थी, लेकिन उनकी बिना सूचना और सहमति के वाहन की नीलामी कर दी गयी. इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से वाहन वापस दिलाने की मांग की. जानकारी के अनुसार, रोहतास जिले के करहगर थाना क्षेत्र के खरहरी गांव निवासी राधेश्याम सिंह की स्कॉर्पियो 24 दिसंबर 2019 को दिनारा थाना क्षेत्र के भगीरथा गांव से चोरी हुई थी. घटना के बाद वाहन मालिक ने दिनारा थाने में चोरी की प्राथमिकी दर्ज करायी थी. 2025 में आर्थिक अपराध इकाई में दर्ज हुआ मामला वाहन मालिक की शिकायत के बाद 20 नवंबर 2025 को पटना के आर्थिक अपराध इकाई में मामला दर्ज किया गया था. आर्थिक अपराध इकाई में प्राथमिकी दर्ज होने और वारंट जारी होने के बाद मामले की जांच का दायरा बढ़ गया है. अब वाहन के रजिस्ट्रेशन, दस्तावेजों और नीलामी से संबंधित रिकॉर्ड की प्रक्रिया भी जांच के घेरे में है. इसी क्रम में नवादा परिवहन कार्यालय में कार्यरत लिपिक कन्हैया लाल की गिरफ्तारी की गयी है. नीलामी प्रक्रिया में भूमिका की जांच आर्थिक अपराध इकाई के वारंट पर हुई इस गिरफ्तारी को मामले में महत्वपूर्ण कार्रवाई मान जा रहा है. जांच एजेंसी वाहन के रजिस्ट्रेशन, दस्तावेज और नीलामी से जुड़ी प्रक्रिया में लिपिक कन्हैया लाल की भूमिका की जांच कर रही है. मामले में आगे और कार्रवाई की संभावना बनी हुई है.

बिहार के 8 लाख से ज्यादा लोगों को दिए जायेंगे 7-7 हजार रुपये, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया ऐलान

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बाढ़ पीड़ितों के लिए महत्वपूर्ण फैसला लिया. पीड़ितों को 7-7 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी. यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे बाढ़ पीड़ितों के अकाउंट में ट्रांसफर किए जायेंगे. बिहार में लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं. कई जिलों में बाढ़ की वजह से स्थिति गंभीर बनी हुई है. लेकिन इस बीच प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है. बाढ़ पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जरूरी फैसला लिया है. बाढ़ पीड़ितों को सरकार की ओर से सहायता राशि दी जाएगी. 579.23 करोड़ सहायता देने की तैयारी जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 8 लाख से भी ज्यादा बाढ़ पीड़ितों को 7-7 हजार रुपये सहायता राशि देने का ऐलान किए, बाढ़ पीड़ितों के खाते में डीबीटी के माध्यम से बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए जायेंगे. यह फैसला पीड़ितों के लिए बेहद खास माना जा रही है. आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से बाढ़ प्रभावित परिवारों की लिस्ट मंगा ली गई है. इन परिवारों को 579.23 करोड़ अनुग्रह सहायता के तौर दिए जाने की तैयारी है. 15 जिलों में लोग बाढ़ से प्रभावित बिहार के 15 जिलों में करीब 49.36 लाख लोग बाढ़ की चपेट में हैं. कई इलाकों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. पटना में गंगा और पुनपुन नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. दूसरी तरफ, प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट मोड में है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें केंद्र की टीम आएगी बिहार सोमवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया था कि 16 सितंबर को केंद्र सरकार की टीम बिहार पहुंचेगी और बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करेगी. उन्होंने यह भी बताया था कि यह टीम केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आने वाली है. सम्राट चौधरी के मुताबिक, गृह मंत्री अमित शाह ने खुद फोन कर उन्हें केंद्रीय टीम के बिहार आने की जानकारी दी. बिहार की नदियों में उफान बरकरार नेपाल में हो रही बारिश और पिछले दिनों आई बाढ़ की वजह से बिहार में नदियां उफनाई हुई हैं. कई नदियां खतरे के लाल निशान के ऊपर बह रही है. आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) की माने तो, फिलहाल 15 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं. इन जिलों में पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अररिया शामिल है. टोटल 88 प्रखंडों की 575 ग्राम पंचायतों के 49.36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं.

बिहार के 6800 अरकका हुआ प्रमोशन, पुलिस मुख्यालय ने देर रात जारी की अधिसूचना

पटना (एजेंसी) बिहार पुलिस महकने से जुड़ी जरूरी खबर है. 6800 एएसआई को प्रमोशन मिला है. बिहार पुलिस मुख्यालय की तरफ से इसे लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी गई है. प्रमोशन पाने वालों में 1990 से पहले नियुक्त हुए कई जुलिसकर्मी भी शामिल हैं. बिहार पुलिस के 6800 सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) को पुलिस अवर निरीक्षक (दारोगा) के पद पर प्रोन्नति दी गई है. बिहार पुलिस मुख्यालय ने सोमवार को इससे संबंधित आदेश जारी किया. एक सितंबर और उसके बाद हुई केंद्रीय स्क्रीनिंग समिति की बैठकों में लिए गए निर्णय के आधार पर यह प्रोन्नति दी गई है. पदभार ग्रहण करने के बाद मिलेगा लाभ आदेश के अनुसार, दारोगा कोटि में अस्थायी व्यवस्था के तहत इन एएसआई को कार्यकारी प्रभार दिया गया है. इसके साथ ही उन्हें दारोगा के वेतनमान का आर्थिक लाभ भी मिलेगा. संबंधित पदाधिकारी को यह लाभ दारोगा का पदभार ग्रहण करने की तारीख से देय होगा. 1990 से पहले नियुक्त हुए कई पुलिसकर्मी भी शामिल प्रोन्नति पाने वालों में बड़ी संख्या में ऐसे पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जिनकी नियुक्ति सिपाही के पद पर हुई थी. विभाग में लगातार प्रोन्नति पाते हुए ये पुलिसकर्मी अब दारोगा के पद तक पहुंचे हैं. इनमें 1990 से पहले नियुक्त हुए कई पुलिसकर्मी भी शामिल हैं. मुख्यालय ने किया स्पष्ट मुख्यालय के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिन पदाधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही, निगरानी, फौजदारी या आपराधिक मामला विचाराधीन है, उन्हें कार्यकारी प्रभार का लाभ नहीं मिलेगा. ऐसे मामलों में संबंधित पदाधिकारी को दारोगा का कार्यकारी प्रभार नहीं दिया जाएगा. बिहार पुलिसिंग व्यवस्था में हो सकेगा सुधार पुलिस मुख्यालय के इस फैसले से थानों में लंबे समय से पड़े मामलों के साथ-साथ सामान्य मामलों को निपटाने में तेजी लाई जा सकेगी. यह पुलिसिंग की गुणवत्ता में सुधार को लेकर बेहद महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है. थानों में अधिकारियों के बढ़ने से इसकी सीधा फायदा आम लोगों को मिल सकेगा. इस फैसले से पूरे बिहार में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ हो सकेगी.

कचरे से बनी सड़क - जिंदल स्टील का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में हुआ दर्ज

सोशल मूवमेंट

पटना । भारत में औद्योगिक विकास के साथ-साथ औद्योगिक कचरे के निपटारे की चुनौती भी लगातार बढ़ रही है। खासकर इस्पात उद्योग से निकलने वाला स्टील स्लैग लंबे समय से ऐसा औद्योगिक अपशिष्ट रहा है, जिसके सुरक्षित और उपयोगी निस्तारण को लेकर वैज्ञानिक प्रयास किए जाते रहे हैं। अब इसी चुनौती को अवसर में बदलते हुए जिंदल स्टील लिमिटेड ने एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जिसने भारत के साथ-साथ दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में कंपनी ने 100 प्रतिशत स्टील स्लैग का उपयोग कर 1.85 किलोमीटर लंबी और चार लेन वाली सड़क का निर्माण किया है। इस सड़क को दुनिया की सबसे लंबी ऐसी सड़क के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया है। यह उपलब्धि केवल किसी कंपनी के लिए रिकॉर्ड नहीं है,

बल्कि औद्योगिक कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने की भारतीय क्षमता का भी प्रमाण है। सड़क निर्माण में आमतौर पर प्राकृतिक पत्थरों से प्राप्त गिट्टी और अन्य खनिज सामग्रियों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। इसके लिए पत्थरों का खनन किया जाता है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव पड़ता है और पर्यावरणीय प्रभाव भी उत्पन्न होते हैं। रायगढ़ की यह सड़क इस पारंपरिक व्यवस्था का एक वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करती है। सड़क की निर्माण प्रक्रिया में बेस से लेकर ऊपर की डामर यानी बिटुमिन वाली परत तक प्राकृतिक गिट्टी के स्थान पर प्रसंस्कृत स्टील स्लैग का इस्तेमाल किया गया है। इस परियोजना में लगभग 2 लाख टन प्रसंस्कृत स्टील स्लैग की खपत हुई है। इतनी बड़ी मात्रा में औद्योगिक अपशिष्ट को सड़क निर्माण में उपयोग करना इस बात का संकेत है कि सही वैज्ञानिक प्रक्रिया और तकनीक के माध्यम से कचरा भी विकास का महत्वपूर्ण संसाधन बन सकता है। रायगढ़ में निर्मित यह सड़क अब केवल स्थानीय स्तर की परियोजना नहीं रही। इसके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होने से इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत तेजी से बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है। देश में सड़क, रेलवे, बंदरगाह, औद्योगिक गलियारे और शहरी परिवहन परियोजनाओं का विस्तार हो रहा है। ऐसे समय में सड़क निर्माण के लिए वैकल्पिक और टिकाऊ सामग्री विकसित करना भविष्य की जरूरत है। जिंदल स्टील ने इस परियोजना को सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (उपक्क) के सहयोग से पूरा किया है। उद्योग और वैज्ञानिक संस्थान के बीच का सहयोग इस बात का उदाहरण है कि अनुसंधान प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीक जब उद्योग तक पहुंचती है, तो उसका वास्तविक लाभ समाज और पर्यावरण दोनों को मिल सकता है। स्टील स्लैग को समझना इस पूरी उपलब्धि की अहमियत को समझने के लिए जरूरी है। स्टील उत्पादन के दौरान भट्ठियों में कई तरह की प्रक्रियाएं होती हैं। इन्हीं प्रक्रियाओं से निकलने वाला एक ठोस औद्योगिक अपशिष्ट स्टील स्लैग कहलाता है। लंबे समय तक इसे मुख्य रूप से अपशिष्ट के रूप में देखा जाता रहा। लेकिन वैज्ञानिक अनुसंधान ने यह साबित करने की दिशा में रास्ता खोला कि उचित प्रसंस्करण के बाद इसका इस्तेमाल निर्माण कार्यों में किया जा सकता है। स्टील स्लैग को सड़क निर्माण के योग्य बनाने के लिए इसे सीधे इस्तेमाल नहीं किया जाता। इसके लिए वैज्ञानिक और तकनीकी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इसमें क्रशिंग, धातु निष्कर्षण और सटीक ग्रेडिंग जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। इन प्रक्रियाओं के बाद इसे सड़क निर्माण के लिए उपयुक्त रोड-ग्रेड एग्रीगेट यानी स्टील ग्रिट में बदला जाता है। यानि भट्ठी से निकला औद्योगिक अपशिष्ट एक लंबी वैज्ञानिक प्रक्रिया के बाद सड़क निर्माण की मजबूत सामग्री में बदल जाता है। जिंदल स्टील के चेयरमैन नवीन जिंदल ने इस उपलब्धि को हावेस्ट टू वेल्थ्ह का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। इस अवधारणा का मूल विचार यही है कि जिसे आज हम कचरा समझ रहे हैं, उसमें भी आर्थिक और सामाजिक उपयोग की संभावना खोजी जाए। औद्योगिक विकास में यह सोच बेहद महत्वपूर्ण होती जा रही है। यदि किसी कारखाने से निकलने वाले अपशिष्ट को बिना उपयोग के छोड़ दिया जाए, तो उसके निस्तारण की समस्या पैदा होती है। लेकिन यदि उसी अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से संसाधित कर उपयोगी उत्पाद बनाया जाए, तो समस्या समाधान में बदल जाती है। स्टील स्लैग से बनी सड़क इसी परिवर्तन की कहानी कहती है, कचरे से संसाधन, संसाधन से निर्माण और निर्माण से राष्ट्र की प्रगति। नवीन जिंदल के अनुसार, विज्ञान, तकनीक और उद्योग मिलकर औद्योगिक कचरे को राष्ट्र निर्माण के टिकाऊ संसाधनों में बदल सकते हैं। यही सोच आने वाले वर्षों में भारत की निर्माण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी इस उपलब्धि को स्वदेशी वैज्ञानिक क्षमता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर बताया है।

दिल्ली-पटना बुलेट ट्रेन हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का DPR तैयार, 865 किमी लंबा बिछेगा ट्रैक, जानिए ताजा अपडेट

पटना (एजेंसी) दिल्ली-पटना बुलेट ट्रेन कॉरिडोर से जुड़ा अपडेट है. इस परियोजना की डीपीआर रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और रेल मंत्रालय को सौंप दी गई है. सब कुछ अगर सही रहा तो जल्द ही इस प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू हो जाएगा. बिहार के लोगों को जल्द ही हाई स्पीड बुलेट ट्रेन की सौगात मिलने वाली है. बुलेट ट्रेन से पटना और दिल्ली की दूरी मात्र 4 से 5 घंटों की ही रह जाएगी. इस बीच दिल्ली-वाराणसी से पटना होते हुए सिलीगुड़ी तक प्रस्तावित हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन से जुड़ा अपडेट है. जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू हो सकता है. NHSRCL ने रेल मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट मिला जानकारी के मुताबिक, स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) की ओर से इस कॉरिडोर के लिए डीपीआर रिपोर्ट बना ली गई है. इस

रिपोर्ट को रेल मंत्रालय को भी सौंप दिया गया है. इस परियोजना के लिए लगभग 865 किलोमीटर लंबा ट्रैक बिछाया जाएगा. बिहार में पटना के अलावा भी कई जिलों से बुलेट ट्रेन गुजरेगी. वरिष्ठ अधिकारियों से मांगे गए आवेदन बताया जा रहा है कि बुलेट ट्रेन परियोजना में काम में तेजी के लिए अधिकारियों की तैनाती की जाएगी. इंडियन रेलवे की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों से आवेदन भी मांगे गए हैं. इनकी नियुक्ति 30 दिनों में किए जाने की बात कही जा रही है. रेलवे के एक अधिकारी की मानें तो, एनएचएसआरसीएल की ओर से वरिष्ठ टेक्नोक्रेट्स की नियुक्ति तेज कर दी गई है. 7 सितंबर को ही जारी हुई थी अधिसूचना अधिकारी के मुताबिक, नियुक्ति को लेकर 7 सितंबर 2026 को ही दो अधिसूचना जारी की गई थी. जारी किए गए अधिसूचना के मुताबिक तीन ओएसडी और तीन एजीएम लेवल के अधिकारियों के नियुक्ति की बात सामने आई थी. ये अधिकारी ही पटना, दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी और नोएडा में इस पूरे प्रोजेक्ट का काम देखेंगे और संचालन करेंगे. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें लोगों के समय की होगी बचत इस तरह से बिहार के लोगों को हाई स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की सुविधा आने वाले कुछ सालों में मिल सकती है. अभी पटना से दिल्ली का सफर तय करने में लगभग 10 से 12 घंटे लगते हैं लेकिन आने वाले दिनों में इसे चार से पांच घंटे में ही पूरा किया जा सकेगा. केंद्र सरकार दिल्ली से बिहार तक हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी की योजना पर तेजी से काम कर रही है. होंगे ये सभी फायदे इस परियोजना का महत्व बिहार के उन हजारों परिवारों के लिए समझना मुश्किल नहीं है, जिनके बच्चे या परिवार के सदस्य दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के इलाकों में नौकरी या पढ़ाई करते हैं. छठ और दिवाली जैसे त्योहारों पर घर लौटने की जद्दोजहद भी इस कनेक्टिविटी से काफी बदल सकती है. बुलेट ट्रेन का फायदा सिर्फ पटना तक सीमित नहीं रहेगा. पटना तक पहुंचने वाला यह हाई-स्पीड कॉरिडोर बिहार को देश के बड़े आर्थिक और शहरी केंद्रों से जोड़ने में अहम भूमिका निभा सकता है. तेज कनेक्टिविटी का असर नौकरी, कारोबार, शिक्षा, पर्यटन और निवेश पर भी पड़ सकता है. दिल्ली से आने वाला कारोबारी कुछ घंटों में पटना पहुंच सकता है और बिहार का कारोबारी भी दिल्ली तक ज्यादा आसानी से पहुंच सकेगा.

बिहार कैबिनेट के 17 एजेंडों पर लगी मुहर, आकस्मिकता निधि से 1000 करोड़ रुपये की निकासी को मंजूरी

सोशल मूवमेंट

पटना । बिहार सरकार की मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कुल 17 एजेंडों पर मुहर लगाई गई। सरकार ने बिहार आकस्मिकता निधि से 1000 करोड़ रुपये की निकासी की स्वीकृति भी प्रदान की है। कैबिनेट के फैसलों से राज्य में विकास कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं को गति मिलने की उम्मीद है। विष्णुपद मंदिर क्षेत्र के विकास पर 2520 करोड़ रुपये खर्च कैबिनेट बैठक में गया स्थित प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर क्षेत्र के विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। सरकार के अनुसार, विष्णुपद मंदिर परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र का विकास काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर करीब 2520 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। परियोजना के तहत मंदिर क्षेत्र के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा। सरकार के इस फैसले से गया के धार्मिक और पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। पांच राजकीय मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति कैबिनेट ने राज्य के पांच राजकीय मेडिकल कॉलेजों में नियोजन के आधार पर शिक्षकों की

नियुक्ति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इन मेडिकल कॉलेजों में बेतिया, पूर्णिया, मधेपुरा, छपरा और समस्तीपुर के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय शामिल हैं। शिक्षकों की नियुक्ति से मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। इससे मेडिकल छात्रों की पढ़ाई के साथ-साथ मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं में भी सुधार हो सकता है। आकस्मिकता निधि से 1000 करोड़ रुपये की निकासी बैठक में बिहार आकस्मिकता निधि से 1000 करोड़ रुपये की निकासी की स्वीकृति प्रदान की गई। सरकार के अनुसार, यह राशि आवश्यक सरकारी कार्यों और संबंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग की जा सकेगी। विकास और स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी गति कैबिनेट के अन्य फैसलों में भी विभिन्न विभागों से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। सरकार का कहना है कि इन निर्णयों से राज्य में विकास योजनाओं, धार्मिक पर्यटन और स्वास्थ्य सेवाओं को गति मिलेगी। मंगलवार की बैठक में लिए गए 17 फैसलों को बिहार सरकार की विकास योजनाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राज्य के 5 राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 366 सहायक

पटना (एजेंसी) राज्य में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने तथा राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सक शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके तहत राज्य के 5 राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों पर संविदा के आधार पर नियोजन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। नियमित नियुक्ति होने तक इन चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के कुल 366 रिक्त पदों पर संविदा के माध्यम से शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी की अध्यक्षता में आयोजित राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से चिकित्सा महाविद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। मंत्रीपरिषद के फैसले पर स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने कहा कि राज्य में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पर्याप्त संख्या में चिकित्सक शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। नियमित नियुक्ति होने तक 366 सहायक प्राध्यापकों का संविद के आधार पर नियोजन किया जा रहा है, ताकि चिकित्सा महाविद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था प्रभावित न हो और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (ठटड), नई दिल्ली के निर्धारित मानकों के अनुरूप चिकित्सक शिक्षकों की उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि बेहतर चिकित्सा शिक्षा के माध्यम से ही सक्षम एवं कुशल चिकित्सकों का निर्माण संभव है। सरकार का प्रयास है कि राज्य के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण विकसित हो तथा मरीजों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इन चिकित्सा महाविद्यालयों में होगी संविदा पर सहायक प्राध्यापकों की नियुक्तिः

- इ राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, बेतिया
- इ राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, पूर्णियाँ
- इ जननायक कर्पूरी ठाकुर चिकित्सा महाविद्यालय, मधेपुरा
- इ राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, छपरा, सारण

नवादा और वारिसलीगंज में इन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का होगा ठहराव, बिहार के इन प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी ट्रेन

पटना (एजेंसी) : त्योहारों के मौसम में रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है. दिल्ली रूट पर भीड़ को देखते हुए रेलवे ने भागलपुर और दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है. यह ट्रेन नवादा और वारिसलीगंज में भी रुकेगी, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी. नवादा जिले के रेल यात्रियों के लिए दुर्गापूजा, दीपावली और छठ से पहले अच्छी खबर है. दिल्ली रूट पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने भागलपुर और दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. खास बात यह है कि ट्रेन नवादा और वारिसलीगंज में भी रुकेगी. इससे जिले

के यात्रियों को दिल्ली जाने और लौटने के लिए अतिरिक्त ट्रेन विकल्प मिलेगा. त्योहार से पहले नवादा को मिला दिल्ली का नया रेल विकल्प रेलवे की योजना के मुताबिक गाड़ी संख्या 04061 भागलपुर-दिल्ली स्पेशल 12 अक्टूबर से 27 नवंबर तक रोज चलेगी. वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 04062 दिल्ली-भागलपुर स्पेशल का परिचालन 10 अक्टूबर से 25 नवंबर तक प्रतिदिन होगा. नवादा और वारिसलीगंज में मिलेगा ठहराव इस ट्रेन की सबसे बड़ी सुविधा नवादा जिले के यात्रियों के लिए है. भागलपुर से दिल्ली जाने वाली ट्रेन वारिसलीगंज स्टेशन पर सुबह 8:02 बजे पहुंचेगी और 8:04 बजे रवाना होगी. इसके बाद नवादा में सुबह 8:20 बजे पहुंचेगी और दो मिनट रुककर 8:22 बजे आगे बढ़ेगी. दिल्ली से लौटते समय भी दोनों स्टेशनों पर रुकेगी ट्रेन दिल्ली से भागलपुर लौटने वाली स्पेशल ट्रेन का ठहराव भी नवादा और वारिसलीगंज में रखा गया है. वापसी में वारिसलीगंज स्टेशन पर ट्रेन सुबह 7:51 बजे पहुंचेगी और 7:53 बजे रवाना होगी. विकल्प मिलेगा. नवादा, हिसुआ, वारिसलीगंज और आसपास के इलाकों के लोग इन स्टेशनों से ट्रेन पकड़ सकेंगे. त्योहार में दिल्ली आने-जाने वालों की परेशानी घटेगी दुर्गापूजा से लेकर दीपावली और छठ तक बड़ी संख्या में लोग दिल्ली और दूसरे शहरों से बिहार आते-जाते हैं. इस दौरान नियमित ट्रेनों में सीट मिलना मुश्किल हो जाता है. स्पेशल ट्रेन के परिचालन से यात्रियों को एक और विकल्प मिलेगा.

संक्षिप्त डायरी

गरीबों की मुफ्त फिजियोथैरेपी, जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई का भी उठाएंगे जिम्मा, एआईएएचपीडब्ल्यूए की नेक पहल

एजेंसी

वाराणसी । गरीब और जरूरतमंद मरीजों को फिजियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ऑल इंडिया एलायड हेल्थ केयर एंड प्रोफेशनल वेलफेयर एसोसिएशन (एआईएएचपीडब्ल्यूए) ने पहल की है। एसोसिएशन के तत्वावधान में वाराणसी समेत प्रदेश के 19 जिलों में ऑनलाइन मीटिंग और एजुकेशनल वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें फिजियोथेरेपी को आम लोगों तक पहुंचाने और जरूरतमंदों को इसका लाभ दिलाने पर चर्चा हुई। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य एसोसिएशन के कार्यों से फिजियोथेरेपिस्ट सदस्यों को अवगत कराना और उन्हें नियमित रूप से पेशेवर गतिविधियों में लागू करना रहा। इस दौरान फिजियोथेरेपी को और प्रभावी बनाने तथा समाज के अधिक से अधिक लोगों तक इसकी पहुंच बढ़ाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। एआईएएचपीडब्ल्यूए के राष्ट्रीय आयोजक और सल्वार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के निदेशक फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अवनीश सिंह ने कहा कि ऐसे गरीब मरीज और उनके बच्चे, जिन्हें लंबे समय तक फिजियोथेरेपी की जरूरत है, उन्हें विभिन्न क्लीनिक और अस्पतालों के माध्यम से निशुल्क थेरेपी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को एसोसिएशन की ओर से फिजियोथेरेपी का कोर्स भी निशुल्क कराने का प्रयास किया जाएगा। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मनीष सिंह ने कहा कि मीडिया कर्मियों और उनके परिजनों को भी ध्यान में रखते हुए फिजियोथेरेपी की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ऑनलाइन बैठक में डॉ. अवनीश सिंह, डॉ. मनीष सिंह, कृष्ण मोहन, डॉ. अभिलाषा, प्रीति मौर्या, सौम्या समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

काशी विश्वनाथ मंदिर के सीईओ विश्वभूषण मिश्रा का तबादला, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में मिली नई जिम्मेदारी

एजेंसी

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्वभूषण मिश्रा का तबादला कर दिया गया है। शासन की ओर से जारी आदेश के तहत उन्हें उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में उप सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर अभी नए सीईओ की घोषणा नहीं की गई है। विश्वभूषण मिश्रा वर्ष 2024 से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था संभाल रहे थे। उनके कार्यकाल में मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए भीड़ प्रबंधन और दर्शन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। मंदिर में भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन उपलब्ध कराने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की गई थी। इसके तहत विभिन्न स्तरों पर व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने और भीड़ के दबाव के अनुसार प्रबंधन करने पर जोर दिया गया। विश्वभूषण मिश्रा इससे पहले भी महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वर्ष 2019 के कुंभ मेले के दौरान उन्होंने प्रशासनिक दायित्व संभाला था। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के दौरान भी उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारी दी गई थी। दोनों ही परिस्थितियों में बड़े स्तर पर लोगों की आवाजाही और व्यवस्थाओं को नियंत्रित करने की चुनौती रही थी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में उनके कार्यकाल के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ प्रबंधन और मंदिर प्रशासन से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर कई स्तर पर बदलाव किए गए। तबादले के बाद अब मंदिर के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति को लेकर शासन के आदेश का इंतजार है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर चाचा की मौत, भतीजा झुलसा

एजेंसी

बलरामपुर । जनपद के तुलसीपुर में सोमवार को दोपहर के वक्त आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आकर किसान की मौत हो गई है। किसान का भतीजा झुलस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों के अनुसार, तुलसीपुर के मध्यनगरी गांव के 40 वर्षीय धनीराम अपने भतीजे शिवा के साथ सोमवार सुबह करीब नौ बजे गांव के पास कैमा नाला के समीप स्थित अपने खेत में सिंचाई करने गए थे। दोपहर करीब एक बजे अचानक तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने चाचा भतीजे झुलस गये। परिजनों ने दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने धनीराम को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल शिवा का उपचार शुरू कर दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. सुजीत ने बताया कि धनीराम की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो चुकी थी। वहीं, घायल शिवा की हालत अब खतरे से बाहर है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

CLASSIFIED AND NOTICE

My Clients SARFARAZ AHMED, s/oMd. Muslim, residing at 15, Basiruddin Munshi Lane, P.S & P.O & Dist- Howrah-711101 & WASIM RAHMAN, s/o- Abdul Rahman, residing at 34, Belilious Road, P.S & P.O & Dist- Howrah-711101, want to publish an advertisement as follows -

LEGAL NOTICE

AS PER ORDER OF LAND & LAND REFORMS DEPARTMENT, GOVT. OF WEST BENGAL, VIDE MEMO NO: 1000-18/22/2024 My Clients, SARFARAZ AHMED, s/oMd. Muslim & WASIM RAHMAN, s/oAbdul Rahman have purchased a Bastu Land measuring about 03 Cottah 08 Chittacks 00 Sq. ft. together with 1000 sq. ft. G+1 Pucca Structures standing thereon (500 sq. ft. on the ground floor & 500 sq. ft. on the 1st floor) lying and situated at Mouza-Howrah Town Survey Unit, Bantra Sheet no- 39, J.L- 01, and comprised in L.R Dag No. 27, under L.R Khatian No. 100, within the local limit of H.M.C ward no. 21, being the premises no. 53/1, L. R. Belilious Lane, P.S- Bantra, Dist- Howrah, vide Registered Sale deed being no 1-050203372/2025, at the office A.D.S.R. Howrah, Book no- I, Vol. no. 0502-2025 From PRAKASH KUMAR KEWAT, s/o- Hiralal Kewat, & ANITA KEWAT, w/o- Praskash Kumar Kewat, both residing at 49/1, Madhusudan Biswas Lane, P.S & P.O & Dist- Howrah 711101, who have jointly purchased the said property by Virtue of Sale deed being no 1-050209810/2023, at the office A.D.S.R. Howrah, Book no- I, Vol. no. 0502-2023 from KALPANA CHATTERJEE, w/o- Late Rabindranath Chaterjee, SANGHMITRA DASGUPTA, w/o-Anjan Dasgupta, both residing at 52, Lower Andul Road, Lemon Botany Housing Complex, P.S- Sankrail, Dist- Howrah 711109, for self and as lawfully constituted attorney of MADHU CHHANDA SRIVASAN @ MADHU CHHANDA SRINIVASAN, w/o- Srinivasan Thirukurungudi Venkatachari, by registered a General power of Attorney being No-1-051303707 of 2023, at the office of D.S.R- II, Howrah, Volume No-0513-2023. My client filed mutation of the above said property before B.L & L.R.O office, Howrah vide mutation case no MN/2026/0515/1573 If anyone want to contest the mutation they can appear before B.L & L.R.O office, within 30 Days of Publishing this notice or Sd/-

Somali Saha Advocate
Contant no 9331123775

बात हिंदुस्तान की अखबार से जुड़ने, खबर को प्रसारित करवाने एवं विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें 9798848926

NAME CHANGE

I, MAHA SELIM and MOHAMMAD SALIM (Old name), S/o Sk. Washi, R/o 9, Danesh Molla Lane, P.S.- Shibpur, Dist.- Howrah- 711102, W.B., have changed my name from MAHA SELIM and MOHAMMAD SALIM (Old Name) to MD. SALIM (New Name) and shall henceforth be known as MD. SALIM (New Name) in all purposes as declared by the affidavit vide no. 27773/26 sworn in the Court of Ld. Executive Magistrate, 1st Class at Howrah on 07.09.2026, MD. SALIM (New Name) and MAHA SELIM and MOHAMMAD SALIM (Old Name) both are same and one identical person

शराब पीते हुए इस बात पर संदीप को आया था गुस्सा, ईंट से सिर, चेहरे और सीने पर किए वार

प्रयागराज। ठेकेदार हत्या कांड: शराब के नशे में बहन पर अमर्यादित टिप्पणी से नाराज ममेरे भाई ने ईंट से कूचकर की थी रवि यादव की हत्या, पुलिस ने दो आरोपियों को भेजा जेल कौशांबी जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत महमदपुर गांव के पास खेत में लावारिस खड़ी कार की डिक्की से मिली ठेकेदार रवि यादव की लाश के सनसनीखेज मामले का स्थानीय पुलिस, सीआईडब्ल्यू और सर्विलांस टीम के संयुक्त प्रयास से 24 घंटे के भीतर सफल अनावरण कर लिया गया है। पुलिस ने हत्या की इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी ममेरे भाई और उसके दोस्त को घेराबंदी कर फनगांव वाटर पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त ईंट के अलावा मृतक का आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी कार्ड, दो मोबाइल फोन और दो डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। वारदात का पूरा घटनाक्रम और विवाद की वजह पुलिस द्वारा की गई कड़ी पूछताछ में मुख्य आरोपी संदीप यादव ने हत्याकांड की पूरी कहानी बयां की। उसने बताया कि वह, मृतक रवि यादव (जो रिश्ते में उसका बुआ का लड़का यानी फुफेरा भाई था) और उसका दोस्त शानू यादव तीनों गांव के बाहर एक सुनसान प्लॉट पर बैठकर एक साथ शराब पी रहे थे। शराब पीने के दौरान तीनों के बीच सामान्य बातचीत हो रही थी, लेकिन जैसे-जैसे नशा गहराता गया, माहौल तनावपूर्ण होता गया। नशे की हालत में रवि यादव ने संदीप की बहन से शादी करने की इच्छा जताई और उसके संबंध में कुछ बातें कहीं। संदीप को अपने फुफेरे भाई के मुंह से अपनी बहन को लेकर की गई टिप्पणी बेहद नागवार गुजरी। ईंट से हमला कर ली जान, डिक्की में छिपाया शव गाली-गलौज और धक्का-मुक्की के दौरान संदीप यादव का आपा खो गया। संदीप ने गुस्से में आकर पास में पड़ी एक भारी-भरकम ईंट उठाई और रवि यादव के सिर, चेहरे और सीने पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। ईंट के घातक प्रहार से रवि गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा और अत्यधिक खून बह जाने के कारण मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। रवि की मौत होते ही संदीप और उसके साथी शानू यादव के होश उड़ गए। इसके बाद दोनों आरोपी शव को ठिकाने लगाने और मौके से साक्ष्य मिटाने के इरादे से कार लेकर भागने लगे। खेत में फंसी कार, गाड़ी छोड़कर भागे आरोपी शव को डिक्की में लादकर भागते समय हड़बड़ाहट और जल्दबाजी में आरोपियों की कार महमदपुर गांव के पास स्थित एक खेत के कच्चे रास्ते पर अनियंत्रित होकर गहरे कीचड़/मिट्टी में जा फंसी। आरोपियों ने कार को बाहर निकालने की काफी कोशिश की, लेकिन गाड़ी टस से मस नहीं हुई। दिन के उजाले में पकड़े जाने के डर और आनन-फानन की स्थिति में दोनों आरोपी कार और उसमें रखी लाश को उसी हालत में खेत में छोड़कर पैदल ही मौके से फरार हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने जब लावारिस कार को संदिग्ध हालत में देखा तो पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद डिक्की खोलने पर अंदर से ठेकेदार रवि यादव का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और सीसीटीवी से मिला सुराग घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने मामले के त्वरित खुलासे के लिए मंझनपुर पुलिस के साथ-साथ सीआईडब्ल्यू और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की विशेष टीमों का गठन किया। टीमों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इसके साथ ही पुलिस ने मृतक के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से संदिग्धों की लोकेशन ट्रैक की।

आध्यात्मिक आयोजनों से सनातन मूल्यों व परम्परा से जुड़ने का मिलता है अवसर : राज्यपाल

एजेंसी

रायबरेली । उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में चड़रई टोल प्लाजा के पास चल रही श्री शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन सोमवार को प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी पहुंचीं। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों से लोगों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं एवं सनातन मूल्यों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। आज यहां उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें समय मिलता था, तब वह टीवी के माध्यम से परम पूज्य पं. प्रदीप मिश्रा की कथा का श्रवण करती थीं। आज प्रत्यक्ष रूप से इस पावन स्थल पर उपस्थित होकर उनकी कथा सुनने तथा आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला, यह उनके लिए अत्यंत सुखद एवं सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत पवित्र एवं आध्यात्मिक स्थल है, जहां बड़ी संख्या में साधु-संत विराजमान हैं और लाखों की संख्या में श्रद्धालु एकत्र होकर श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण कर रहे हैं व आध्यात्मिक लाभ एवं संतों का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। राज्यपाल का कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने अंगवस्त्र व बेलपत्र देकर सम्मान किया। कथा के आयोजक व उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा राज्यपाल को शाल एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। राज्यपाल ने श्री शिव महापुराण कथा के भव्य एवं पावन आयोजन के लिए मनोज कुमार पाण्डेय की सराहना करते हुए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि श्री शिवमहापुराण कथा में विशिष्ट अतिथियों के आने का क्रम जारी है। सोमवार को भी राज्यपाल सहित मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल,केंद्रीय मंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी,प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह,राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह,नितिन अग्रवाल,राकेश राठौर,प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव सहित कई विधायक भी शामिल हुए।

अभिभावकों को घर पर बच्चों की पढ़ाई में सहयोग के सिखाए जाएंगे आसान तरीके

एजेंसी

बांदा । बुंदेलखंड के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की बुनियादी शिक्षा मजबूत करने के लिए निपुण भारत मिशन को अब जनभागीदारी से आगे बढ़ाया जाएगा। गांव-गांव शिक्षा चौपाल आयोजित कर अभिभावकों को अभियान से जोड़ा जाएगा। उद्देश्य यह है कि स्कूल में पढ़ाई के साथ घर पर भी बच्चों को सीखने का अनुकूल माहौल मिले और कक्षा एक से तीन तक के बच्चे भाषा व गणित की बुनियादी दक्षताएं हासिल कर सकें। निपुण भारत मिशन के तहत बच्चों को पढ़ने, समझने, लिखने और प्रारंभिक गणितीय अवधारणाओं में दक्ष बनाने पर जोर दिया जा रहा है। अब इस अभियान में शिक्षकों के साथ अभिभावकों और ग्रामीणों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिक्षा चौपाल आयोजित करने की कार्ययोजना तैयार की गई है। बुंदेलखंड के बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा और जालौन में कुल 6,277 परिषदीय विद्यालय हैं। इनमें करीब 5.04 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विभाग का लक्ष्य इन बच्चों को निपुण बनाकर अधिक से अधिक विद्यालयों को निपुण विद्यालय के रूप में विकसित करना है। शिक्षा चौपाल में बच्चों के माता-पिता के अलावा ग्राम प्रधान, विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष और जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। वहां अभिभावकों को निपुण भारत मिशन की जानकारी देने के साथ बच्चों के सीखने का स्तर परखने के तरीके बताए जाएंगे। घर पर बच्चों के साथ पढ़ाई का अभ्यास कैसे कराया जाए, इसकी भी जानकारी दी जाएगी। अभिभावकों को कहानी सुनाने, शब्द पहचानने, गिनती कराने और रोजमर्रा की चीजों के माध्यम से गणित समझाने जैसी आसान गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही बच्चों की नियमित विद्यालय उपस्थिति और स्कूल में उनके ठहराव को लेकर भी जागरूक किया जाएगा। बुंदेलखंड के ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में परिवार खेती-किसानी और मजदूरी पर निर्भर हैं। अभिभावक सुबह से शाम तक काम में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई के लिए घर पर पर्याप्त समय देना कई परिवारों के लिए चुनौती बना रहता है। वहीं कुछ अभिभावक कम शैक्षिक पृष्ठभूमि के कारण यह भी नहीं समझ पाते कि बच्चे को किस स्तर की पढ़ाई और अभ्यास की जरूरत है। शिक्षा चौपाल के जरिए इसी दूरी को कम करने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षकों के अनुसार शुरुआती कक्षाओं के बच्चों के लिए स्कूल में सीखी बातों का घर पर दोहराव बेहद जरूरी है। नियमित अभ्यास नहीं होने पर बच्चे सीखी हुई चीजें जल्दी भूल सकते हैं। शिक्षा चौपालों के आयोजन के लिए ग्रामवार रोस्टर तैयार किया जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारियों को चौपालों का नियमित आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग का मानना है कि अभिभावकों को अभियान से जोड़ने से प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ बच्चों के सीखने के स्तर को भी मजबूती मिलेगी। इस संबंध में संतोष कुमार पटेल, सहायक निदेशक, बेसिक शिक्षा, चित्रकूट धाम मंडल ने बताया कि गांव-गांव शिक्षा चौपाल के जरिए अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई से जोड़ा जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारियों को ग्रामवार रोस्टर तैयार कर चौपालों का आयोजन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

24 साल बाद फिर हेतमापुर में सरयू का कहर, कटान की भेंट चढ़े मंदिर और टेलीफोन एक्सचेंज

एजेंसी

बाराबंकी । उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के सूरतगंज ब्लॉक के हेतमापुर गांव में दिनों दिन सरयू नदी की कटान बढ़ती जा रही है लाख इंतजाम के बावजूद नदी रोके नहीं रुक रही है। बीते रविवार की रात से लेकर सोमवार की सुबह तक नदी की कटान जारी थी। सरयू नदी ने करीब 24 साल बाद सूरतगंज ब्लॉक के हेतमापुर गांव में एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है। तेज धारा के साथ हो रहे कटान में नया हनुमान मंदिर और टेलीफोन एक्सचेंज का भवन नदी की धारा में समा गया। कटान का दायरा लगातार बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। खास बात यह है कि नदी इस बार भी करीब उसी स्थान तक पहुंची है, जहां दो दशक से अधिक समय पहले कटान का कहर बरपा था। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2002 के आसपास हेतमापुर में सरयू नदी ने इसी तरह भीषण कटान किया था। उस समय वहां स्थित पुराना हनुमान मंदिर भी नदी की धारा में कट गया था। कटान रोकने के लिए लगातार बचाव कार्य कराए गए और बड़ी मात्रा में बोल्डर डाले गए, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद नदी पीछे हटने का नाम नहीं ले रही थी। स्थिति बिगड़ने पर टेलीफोन एक्सचेंज की मशीनरी तक सुरक्षित स्थान पर हटानी पड़ी थी। बाद में टेलीफोन भवन के आसपास नदी का रुख थमा और कटान कुछ कम हुआ। ग्रामीणों के मुताबिक उस समय तैनात जेई नीपी सिंह के प्रयास से वहां नया हनुमान मंदिर बनवाया गया था। करीब 24 वर्ष बाद इस बार वही मंदिर भी सरयू की कटान की चपेट में आ गया। इसके साथ ही टेलीफोन एक्सचेंज का भवन भी नदी की तेज धारा में ढह गया। बाबा नारायण दास मंदिर के करीब पहुंची नदी वर्तमान में प्रशासन और बाढ़ कार्य खंड की ओर से कटान रोकने के लिए बोल्डर डालकर बचाव कार्य कराया जा रहा है। हालांकि सरयू कटान करते हुए बाबा नारायण दास मंदिर के बेहद करीब पहुंच गई है। इससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। पुराना मंजर देख सहमे ग्रामीण ग्रामीणों का कहना है कि करीब 24 वर्ष पहले भी नदी इसी तरह मंदिरों के आसपास पहुंचकर थमी थी। इस बार भी हालात लगभग वैसे ही बन गए हैं। पूर्व भाजपा विधायक राजलक्ष्मी वर्मा ने बताया कि उस समय उन्होंने सरकार से प्रयास कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कराई थी, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद तत्कालीन सपा सरकार ने उसे निरस्त कर दिया। उनका कहना है कि यदि उस समय कार्य हो जाता तो केदारीपुर और हेतमापुर गांव आज नदी के कटान से सुरक्षित होते। वहीं तहसीलदार रामसनेहीघाट विपुल सिंह का कहना है कि कटान रोकने के उपाय किए जा रहे हैं।

ट्रेन धीमी होते ही खिड़की के पास बैठी महिलाओं की चेन झपट लेता था शातिर स्नेचर, जीआरपी, आरपीएफ व सीआईबी की संयुक्त टीम ने पकड़ा

एजेंसी

वाराणसी । ट्रेनों में खिड़की के पास बैठी महिलाओं को निशाना बनाकर सोने की चेन और मंगलसूत्र झपटने वाले शातिर चेन स्नेचर को जीआरपी, आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान छित्तूपुर निवासी रतन डोम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपित ट्रेन के धीमी गति से चलते ही उसमें चढ़कर महिलाओं के गले से चेन या मंगलसूत्र झपट लेता था और घटना को अंजाम देने के बाद ट्रेन से कूदकर फरार हो जाता था। जीआरपी कैंट के प्रभारी निरीक्षक रजोल नागर ने बताया कि रतन डोम शातिर चेन स्नेचर है और उसका लंबा आपराधिक इतिहास है। वह विशेष रूप से ट्रेन की खिड़की वाली सीट पर बैठी महिलाओं को निशाना बनाता था। ट्रेन जब किसी स्टेशन या अन्य स्थान पर धीमी गति से चलती थी, तभी वह मौका देखकर ट्रेन में चढ़ जाता और महिलाओं के गले से आभूषण छीनकर कूदकर फरार हो जाता था। संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 हजार 100 रुपये नकद और करीब 30 हजार रुपये कीमत का एक सोने का लॉकेट बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपित के खिलाफ पहले से 11 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं जीआरपी में पांच मामले पंजीकृत बताए गए हैं। सुरक्षाबल अब आरोपित से पूछताछ कर उसके गिरोह और पूर्व में की गई अन्य घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार रेलवे क्षेत्र में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चेकिंग और निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है।

जाजमऊ पुल के डायवर्जन ट्रायल के दूसरे दिन भी चौतरफा जाम

एजेंसी

कानपुर । जाजमऊ पुराने गंगापुल की मरम्मत के लिए चल रहे तीन दिवसीय डायवर्जन ट्रायल के दूसरे दिन भी चौतरफा जाम से राहगीर परेशान रहे। बदरका चौराहा, मरहला चौराहा, सरैया रेलवे क्रॉसिंग और नवीन गंगापुल तिराहे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर जाम में एक एंबुलेंस भी फंस गई, जिसे पुलिस ने किसी तरह बाहर निकलवाया। जाजमऊ पुराने गंगापुल की बेयरिंग बदलने के लिए, एनएचएआई की ओर से डायवर्जन का तीन दिवसीय ट्रायल कराया जा रहा है। सोमवार को सप्ताह का पहला कार्यदिवस होने के कारण सुबह से ही वाहनों का दबाव अधिक रहा। जाम की स्थिति को देखते हुए मुख्य चौराहों पर यातायात पुलिस के साथ सिविल पुलिस बल भी बढ़ाया गया। बदरका में सुबह छह से 10 बजे तक जाम बदरका चौराहे पर सुबह छह से 10 बजे के बीच वाहनों का दबाव अधिक रहा। शाम छह से आठ बजे के बीच भी जाम की स्थिति बनी रही। यहां एक टीएसआई समेत पांच यातायात पुलिसकर्मियों के साथ अतिरिक्त सिविल पुलिस बल तैनात किया गया। कई बार बड़े और भारी वाहनों के फंसने से जाम और बढ़ गया। मरहला चौराहा और सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर भी सुबह आठ से 10 बजे और शाम पांच से आठ बजे के बीच वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर जाम में एक एंबुलेंस फंस गई। पुलिसकर्मियों ने मशक्कत कर उसे जाम से बाहर निकलवाया। मरहला चौराहा चारों तरफ से आने वाले वाहनों का प्रमुख रास्ता होने के कारण वहां यातायात का दबाव सबसे अधिक रहा। जाम के कारण नौकरीपेशा लोगों और रोजाना सफर करने वाले राहगीरों को काफी परेशानी हुई। नवीन गंगापुल पर भी लगी वाहनों की कतार नवीन गंगापुल तिराहे पर सुबह और शाम करीब एक-एक घंटे जाम की स्थिति रही। डायवर्जन के कारण वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ने से कई स्थानों पर यातायात धीमा रहा। स्थिति को देखते हुए मुख्य चौराहों पर पुलिस बल बढ़ाया गया है। सीओ यातायात प्रदीप मौर्य ने बताया कि उन्नाव के गदनखेड़ा, बदरका, मरहला और सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर जाम न लगे, इसके लिए, दूसरे दिन व्यापक प्रबंध किए गए हैं। सभी स्थानों पर अतिरिक्त स्टाफ लगाया गया है। मरहला चौराहे पर विशेष फोकस रखा जा रहा है। सीओ यातायात के अनुसार फिलहाल रोडवेज बसों को सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग से गंगा बैराज होते हुए कानपुर भेजा जाएगा। अन्य भारी वाहनों के इस मार्ग से आवागमन पर रोक रहेगी। डायवर्जन ट्रायल के दौरान यातायात व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि जरूरत के अनुसार व्यवस्था में बदलाव किया जा सके।

हावड़ा बस स्टैंड से स्टेशन तक बनेगा स्काईवॉक

हावड़ा बस स्टैंड को मल्टी कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित करने की राज्य सरकार की योजना के बीच पूर्व रेलवे ने भी स्टेशन से सीधी कनेक्टिविटी की दिशा में योजना बनाने की बात कही है। पूर्व रेलवे के सीनियर डीसीएम राहुल रंजन ने बताया कि यदि राज्य सरकार की योजना के मुताबिक हावड़ा बस स्टैंड को मल्टी कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया जाता है, तो रेलवे की ओर से भी इसका डीपीआर तैयार किया जाएगा।

सीनियर डीसीएम के मुताबिक, रेलवे की कोशिश होगी कि प्रस्तावित मल्टी कॉम्प्लेक्स बस स्टैंड से हावड़ा स्टेशन तक स्काईवॉक या फुट ओवरब्रिज (FOB) के जरिए सीधी कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाए। इसके माध्यम से बस स्टैंड से आने वाले यात्रियों को स्टेशन पहुंचने में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक तौर पर इस स्काईवॉक को हावड़ा स्टेशन के आठ नंबर प्लेटफॉर्म तक ले जाने की संभावना दिखाई दे रही है। हालांकि, इसकी वास्तविक रूपरेखा डीपीआर तैयार होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

प्रस्ताव के अनुसार, भविष्य में यात्री बस स्टैंड से स्काईवॉक के जरिए सीधे स्टेशन में प्रवेश कर सकेंगे और एक नंबर से लेकर आठ नंबर प्लेटफॉर्म तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इससे बस स्टैंड और हावड़ा स्टेशन के बीच यात्रियों की आवाजाही अधिक सुगम होने की उम्मीद है।

फिलहाल बस स्टैंड से हावड़ा स्टेशन तक यात्रियों की आवाजाही मौजूदा रास्ते से होती है।

रेलवे के अधिकारी ने कहा कि भविष्य में राज्य सरकार की योजना के अनुरूप बस स्टैंड का विकास होने पर रेलवे की ओर से भी यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सीधे कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा।

प्लास्टिक पर सख्ती के बाद कागज के ठोंगे में बिक रही मछली

हावड़ा: प्रशासन की ओर से 1 सितंबर से प्लास्टिक के इस्तेमाल पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश के बाद हावड़ा के बाजारों में इसका असर दिखाई देने लगा है। संतरागाछी इलाके में मछली विक्रेता अब ग्राहकों को प्लास्टिक की थैली के बजाय कागज के ठोंगे में मछली देते नजर आ रहे हैं।

संतरागाछी के एक मछली विक्रेता ने बताया कि प्लास्टिक का इस्तेमाल करने पर जुर्माना भरने का जोखिम उठाना उनके लिए मुश्किल है। उन्होंने कहा कि मछली बेचने से इतनी बचत नहीं होती कि प्लास्टिक के इस्तेमाल पर 200, 500 या 1,000 रुपये तक का जुर्माना सरकार को दिया जा सके। इसलिए इससे बेहतर है कि ग्राहकों को कागज के ठोंगे में मछली दी जाए। विक्रेता ने कहा कि अगर ग्राहक बाजार आते समय अपने साथ कपड़े या अन्य मजबूत बैग लेकर आएं तो उनके लिए भी सुविधा होगी और प्लास्टिक पर निर्भरता भी कम होगी। उन्होंने ग्राहकों से अपील की कि वे खरीदारी के लिए घर से बैग लेकर निकलें।

प्रशासन द्वारा प्लास्टिक पर रोक लगाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण प्रदूषण को कम करना और शहर में प्लास्टिक कचरे की समस्या पर नियंत्रण पाना है। हालांकि, प्रतिबंध लागू होने के बाद छोटे दुकानदारों और विक्रेताओं के सामने सामान पैक करने की वैकल्पिक व्यवस्था की चुनौती भी खड़ी हो गई है।

संतरागाछी के बाजार में कागज के ठोंगे का इस्तेमाल इस बदलाव की एक तस्वीर पेश करता है। मछली जैसे सामान को प्लास्टिक की जगह कागज में देने से विक्रेताओं को जुर्माने के डर से राहत मिल रही है, वहीं ग्राहकों से भी पर्यावरण के हित में अपने साथ बैग लाने की अपील की जा रही है।

स्थानीय विक्रेताओं का कहना है कि यदि प्लास्टिक प्रतिबंध को सफल बनाना है तो प्रशासन को जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ किफायती और आसानी से उपलब्ध वैकल्पिक पैकेजिंग की व्यवस्था पर भी ध्यान देना चाहिए।

लुकआउट नोटिस के आधार पर मुंबई एयरपोर्ट से डीजे सनी शर्मा गिरफ्तार

सोनी कु. झा, हावड़ा: भारत के चर्चित डीजे डुओ प्रोग्रेसिव ब्रदर्स के फाउंडर सनी शर्मा को कथित तौर पर लुकआउट नोटिस के आधार पर मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सनी शर्मा 4 सितंबर 2026 को जकार्ता जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन और हावड़ा पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (DD) की कार्रवाई में उन्हें पकड़ लिया गया।

मामला हावड़ा पुलिस के महिला थाने में दर्ज FIR संख्या 51/2026 से जुड़ा बताया जा रहा है। शिकायत में सनी शर्मा की पत्नी ने आरोप लगाया है कि पहली शादी के रहते उन्होंने सूरत निवासी एक महिला से कथित रूप से दूसरी शादी की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित महिला गर्भवती थीं और इसी वजह से कथित तौर पर जल्दबाजी में विवाह किया गया। पुलिस अब इन आरोपों से जुड़े तथ्यों और दस्तावेजों की जांच कर रही है।

पिता और बिजनेस पार्टनर पर भी आरोप

मामले में सनी शर्मा के पिता मधुसूदन शर्मा और उनके बिजनेस पार्टनर करन भल्ला पर भी कथित तौर पर सनी का साथ देने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों को लेकर करन भल्ला से सम्पर्क नहीं हो पाया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पत्नी की लिखित शिकायत के बाद मामले की जांच शुरू हुई थी। जब उनके गुड़गांव स्थित फ्लैट पर पुलिस पहुंची तो इसकी भनक लगते ही वह वहां से निकल गए, इसी दौरान सनी शर्मा के देश छोड़ जकार्ता जाने के कोशिश की जानकारी सामने आई और लुकआउट नोटिस के आधार पर उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर रोका गया। बाद में उन्हें हावड़ा लाकर अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत के आदेश के बाद उन्हें पुलिस हिरासत में भेज मामले की जांच की जा रही है।

ससुर ने सुनाई पूरे विवाद की कहानी

सनी शर्मा के ससुर ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी और सनी शर्मा की पहचान स्कूल के समय से थी। देखते ही देखते दोनों की शादी परिवार की ओर से वर्ष 2014 में राजस्थान के बीकानेर में दोनों का काफी धूमधाम के साथ विवाह सम्पन्न हुआ।

सनी के ससुर ने बताया कि सनी को अपना करियर बनाने के लिए मेरी बेटी ने प्रोत्साहित किया। इसके बाद सनी ने 'प्रोग्रेसिव ब्रदर्स' नाम से डीजे का काम शुरू किया और और देखते ही देखते कारोबार अच्छी तरह से चलने लगा, इस दौरान कार्यक्रमों के सिलसिले में भारत के कई शहरों में आने-जाने के साथ देश-विदेश की यात्राएं भी करने लगा था सनी। शायद इसी दौरान किसी कार्यक्रम में सूरत की रहने वाली एक लड़की से उनका संपर्क हुआ।

ससुर का आरोप है कि बाद में उनकी बेटी को सनी के किसी अन्य महिला के साथ संपर्क की जानकारी मिली। कथित तौर पर फोन पर बातचीत और चैटिंग से इस संबंध का पता चला। उन्होंने दावा किया कि पूछताछ के दौरान सूरत निवासी महिला से सनी के लंबे समय से परिचय और कथित संबंधों की जानकारी सामने आई। जब मेरी बेटी ने सूरत निवासी उस लड़की से बात की तो उसने बताया कि सनी ने मुझसे शादी की है और मैं गर्भवती हू 5 महीने की मुझे नहीं पता कि सनी पहले से शादीशुदा था हम दोनों काफि दिनों से परिचित है, उनका यह भी आरोप है कि दूसरी शादी में सनी के पिता भी शामिल हुए थे।

मेरी बेटी और सनी गुड़गांव में ही रहती थी एक ही साथ लेकिन इस घटना के बाद उनकी बेटी गुड़गांव का फ्लैट छोड़कर हावड़ा स्थित अपने मायके आ गई और इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

सनी के पिता ने आरोपों को बताया झूठा

वहीं, सनी शर्मा के पिता मधुसूदन शर्मा ने अपने बेटे पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनके बेटे को फंसाया गया है और बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। जबकि परिवार को कथित दूसरी शादी की कोई जानकारी नहीं थी।

मधुसूदन शर्मा के मुताबिक, दोनों एक साथ गुड़गांव में रहते हैं इस घटना के बारे में तब पता चला जब उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर सनी को हिरासत में लिए जाने के बाद पूरे मामले की जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि सनी का विवाह हावड़ा की रहने वाली युवती से ही वर्ष 2014 में राजस्थान के बीकानेर में हुआ था और अब तक उनकी कोई संतान नहीं है।

पुलिस कर रही दस्तावेज और तकनीकी साक्ष्यों की जांच

हावड़ा सिटी पुलिस के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि सनी शर्मा के खिलाफ उनकी पत्नी की ओर से लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर देश छोड़ने की कोशिश के दौरान गिरफ्तार किया गया। हावड़ा लाने के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया और पुलिस हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस हिफाजत के बाद जब उन्हें कोर्ट में पेश किया गया तो माननीय अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है। वही पुलिस अब कथित दूसरी शादी, दोनों पक्षों के बयानों, दस्तावेजों, मोबाइल चैट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है। हालांकि, सनी शर्मा और अन्य आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

धीरेंद्र शास्त्री की एक झलक पाने उमड़ा आस्था का सैलाब

हावड़ा के लिलुआ रेलवे क्वार्टर मैदान में आयोजित तीन दिवसीय हनुमत कथा का भव्य समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन होने के कारण दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मैदान में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली और लोग बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की एक झलक पाने के लिए उत्साहित नजर आए।

इस तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने लगातार तीनों दिन हनुमत कथा का गुणगान किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का रसपान किया और उनके द्वारा बताए गए आध्यात्मिक एवं जीवनोपयोगी संदेशों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा ली।

दिव्य दरबार में लगी अर्जियां, कई भक्तों को बताया समाधान

कार्यक्रम के दौरान दिव्य दरबार का भी आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी अर्जियां लगाईं। कुछ भक्तों की पर्चियां खुलीं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उपाय बताए गए। पर्ची लगने वाले कई भक्त उत्साहित और खुश नजर आए, वहीं कई श्रद्धालु ऐसे भी रहे जिनकी अर्जी नहीं लग पाई और उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। क्यों की चैटिंग और सैटिंग दोनों ही पढ़ कर बता दिए तो कुछ लोगों को लाइफ में क्या करना है उसका समाधान बताएं जिससे उसका भविष्य बने।

मंत्री और कई विशिष्ट हस्तियां हुई शामिल

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सहित कई नेता, मंत्री, कथावाचक और अन्य विशिष्ट लोग मौजूद रहे। इनमें मंत्री सुकांत मजूमदार, उत्तर हावड़ा के विधायक और मंत्री उमेश राय,बाली के विधायक संजय सिंह, तारकेश्वर के विधायक संतु पान, पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पांडे और प्रसिद्ध कथावाचक जया किशोरी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

अन्नपूर्णा भंडार में हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कार्यक्रम स्थल पर अन्नपूर्णा भंडार की व्यवस्था की गई थी। यहां हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे।

वहीं, भारी भीड़ के कारण पुलिस प्रशासन और स्वयंसेवकों को भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि कई लोग बैरिकेड के ऊपर चढ़कर धीरेंद्र शास्त्री की एक झलक पाने की कोशिश करते नजर आए। प्रशासन और वालंटियर लगातार लोगों से व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते रहे।

तीन दिनों तक चले इस आयोजन के समापन पर लिलुआ का पूरा क्षेत्र धार्मिक माहौल में डूबा रहा और श्रद्धालुओं में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

बागेश्वर बाबा के खिलाफ FIR की मांग

हावड़ा: बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री उर्फ बागेश्वर बाबा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से हावड़ा थाने में लिखित शिकायत दी गई है। समाजवादी पार्टी के बंगाल प्रदेश अध्यक्ष श्रीकांत घोष के निर्देश पर हावड़ा जिला समाजवादी पार्टी की ओर से यह शिकायत दर्ज कराई गई। 10 सितंबर 2026 को हावड़ा थाने के प्रभारी अधिकारी के पास शिकायत पत्र जमा किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हाल ही में हावड़ा के लिलुआ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने पश्चिम बंगाल और बंगाली लोगों की भावनाओं एवं संवेदनाओं को आहत करने वाली कथित टिप्पणी की। शिकायतकर्ता का दावा है कि उनके बयान से धार्मिक भावनाएं भी आहत हुई हैं। साथ ही, बंगाल के हिंदू समाज को बंगाली और गैर-बंगाली भाषा तथा धर्म के आधार पर विभाजित करने का प्रयास किया गया, ऐसा भी आरोप लगाया गया है।

समाजवादी पार्टी की ओर से बताया गया कि उक्त कार्यक्रम का वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हुआ। इसी वीडियो के माध्यम से कथित टिप्पणी की जानकारी उन्हें मिली। घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और असहनीय बताते हुए पुलिस से मामले की जांच कर FIR दर्ज करने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है।

बोटानिकल गार्डन में प्रकृति का चमत्कार, पानी में तैरते पत्ते पर के इंसानों की सवारी

हावड़ा: एक विशाल शालूक के पत्ते पर बैठकर पानी में तैरता हुआ एक वयस्क व्यक्ति! सुनने में भले ही यह अविश्वसनीय लगे, लेकिन हावड़ा के शिबपुर स्थित आचार्य जगदीशचंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान में इन दिनों ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है। इससे पहले इस तरह के पत्ते पर बच्चों के तैरने के दृश्य सामने आए हैं, लेकिन 80 से 100 किलो या उससे अधिक वजन वाले वयस्क व्यक्ति को भी इस विशाल पत्ते पर बैठाकर पानी में तैराने की यह पहल भारत में पहली बार की जा रही है, ऐसा उद्यान प्रबंधन का दावा है। बोटानिकल सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक डॉ. कनाद दास की मौजूदगी में जायंट वॉटर लिली यानी विक्टोरिया अमेजोनिका के विशाल पत्ते पर तैरने के इस विशेष एडवेंचर की शुरुआत हुई। पिछले कुछ दिनों में उद्यान के विशेषज्ञ कर्मचारियों से लेकर वहां आने वाले कई आम लोगों ने भी इस विशाल पत्ते पर बैठकर पानी में तैरने का अनुभव लिया है।

भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया में वनस्पति संरक्षण और शोध के क्षेत्र में हावड़ा का बोटानिकल गार्डन यानी आचार्य जगदीशचंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान एक महत्वपूर्ण संस्थान है। अमेजन के जंगलों में पाई जाने वाली विशाल जलीय वनस्पति 'विक्टोरिया अमेजोनिका' भी लंबे समय से इस उद्यान के प्रमुख आकर्षणों में शामिल है। शुरुआत में इस जायंट वॉटर लिली को एक ही जलाशय में संरक्षित किया जाता था। हालांकि, वर्ष 2020 में चक्रवाती तूफान अम्फान के दौरान यह पौधा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था।

इसके बाद संरक्षण के साथ-साथ आम दर्शकों को इस दुर्लभ जलीय वनस्पति को आसानी से दिखाने पर भी जोर दिया गया। इसी योजना के तहत उद्यान के अलग-अलग हिस्सों में स्थित 16 जलाशयों में विक्टोरिया अमेजोनिका का संरक्षण शुरू किया गया।

शोधकर्ता डॉ. आर. सरवनन ने बताया कि इस उद्यान में देश-विदेश की कई तरह की जलीय वनस्पतियां संरक्षित हैं। हालांकि, आम लोगों के बीच जायंट वॉटर लिली को लेकर सबसे अधिक आकर्षण और जिज्ञासा रहती है। इसकी सबसे बड़ी वजह इसके विशाल आकार के पत्ते और कांटेदार लंबे तने हैं। विक्टोरिया अमेजोनिका का फूल इसके पत्ते की तुलना में काफी छोटा होता है और इसका रंग गुलाबी होता है। यह जलीय वनस्पति मुख्य रूप से अपने विशाल पत्तों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। डॉ. सरवनन ने इस पहल की सफलता के लिए डॉ. कनक दास और गार्डन इंचार्ज मानस भौमिक की भूमिका की भी सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।

अब भारत देगा बांग्लादेश को इलीश, गुजरात बना केंद्र

हर साल बांग्लादेश से पद्मा की रूपहली इलीश मछली भारत आती थी, लेकिन इस बार तस्वीर बदल गई है। बांग्लादेश में इलीश का उत्पादन कम होने के कारण वहां की मछली की जरूरत पूरी करने के लिए पहली बार भारत से बांग्लादेश को इलीश का निर्यात किया जा रहा है। पिछले दो महीनों में गुजरात और हावड़ा के थोक मछली बाजार से करीब 500 मीट्रिक टन इलीश बांग्लादेश भेजी जा चुकी है। दोनों बंगाल में भात की थाली में इलीश के तरह-तरह के व्यंजन लंबे समय से लोकप्रिय हैं। आमतौर पर हर साल मानसून के दौरान बांग्लादेश से बड़ी मात्रा में इलीश भारत आती है। लेकिन इस वर्ष बांग्लादेश में इलीश का उत्पादन कम होने से वहां के कारोबारियों ने भारत का रुख किया है।हावड़ा होलसेल फिश मार्केट एसोसिएशन के सचिव सैयद अनवर मकसूद के मुताबिक, गुजरात में इस समय बड़ी मात्रा में इलीश पकड़ी जा रही है। इसी वजह से बांग्लादेश के कारोबारियों ने गुजरात के भरूच बंदरगाह और हावड़ा के थोक मछली बाजार से इलीश खरीदना शुरू किया है। पिछले दो महीनों में लगभग 500 मीट्रिक टन इलीश बांग्लादेश भेजी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अगले एक-दो सप्ताह में करीब 150 से 200 मीट्रिक टन और इलीश बांग्लादेश भेजे जाने की संभावना है।

मकसूद ने बताया कि इलीश पहली बार यहां से बांग्लादेश भेजी जा रही है। बांग्लादेश के चटगांव और सिलहट में अंडों से भरी इलीश की मांग अधिक है। गुजरात से मिलने वाली इलीश में अंडे अधिक होने के कारण वहां के कारोबारियों और ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है।

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पेपर के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी, गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं एल.एस पब्लिकेशन्स प्रा. लि.4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता -700015 से मुदित, सम्पादक- वैद्यनाथ झा, फोन-9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट - www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan ki' Smt. Soni Kumari Jha, 223, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO_R.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from L.S. publication private limited.4 no, canel west road, Kolkata 700015, Editor: Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website: www.baathindustanki@gmail.com